第二十六回国際佛教徒結集で講演

成道会法要が終り、サンガダーナと言う参集者への中食供養が日本寺講堂横の芝生上の大テントの中であり、一段落すると午後二時より右の如き結集があり、協会の大工原師や理事長より、この会に最近日本人の発表主張がないので基調講演を委嘱するとの要請もあり、今年の統一テーマである「植民地主義下における東アジア・東南アジアの佛教と佛教者達」に関連して講演しろとのことで、一九〇〇年代から日本の富国強兵政策のもとで日本各佛教宗団はいかにして樺太サハリン、満州、中国、朝鮮、台湾などへ出て行ったかについて、曹洞宗の例をあげて日本から持参した地図を示しながら、これまで曹総研で話して来たことを三十名余の聴衆に話して責任を果した。

さて、これで明日には一路帰国の途につくことが出来るので荷物をまとめて、毎朝四時半起床であったので大いに朝寝坊をして十二月九日を迎えた。

会場となった日本寺の講堂。右後方に見えるはブータンの寺です。
境内には百本以上もの佛旗が立てられインド各地からの参加者が12月8日～9日両日意見発表を続けた。

インドの参加者は300年以上にわたる英国の植民地政策の下でいかに佛教や佛教徒が対応したかと言う視点での意見発表があった。

। दैनिक जागरण पटना, 9 दिसंबर

गया जागरण

जापानी मंदिर के स्थापना दिवस पर सेमिनार

उपनिवेश काल में बौद्ध धर्म की स्थिति पर हुआ विमर्श

बोधगया (गया), निज प्रतिनिधिः अंतरराष्ट्रीय पर्यटक स्थल बोधगया स्थित जापानी मंदिर इंदोसान निप्पोजी का स्थापना दिवस गुरुवार को मनाया गया। इस अवसर पर हीनयान, महायान व थेरवादी बौद्ध भिक्षुओं ने परंपरागत तरीके से जापानी मंदिर में पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात मंदिर परिसर में लगे पीस बेल को बजाया गया। बौद्ध भिक्षुओं को संघदान कराने के पश्चात 37वां अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया।

'उपनिवेश काल में बौद्ध धर्म की स्थिति' विषय पर आगत देशी-विदेशी विद्वानों ने अपने-अपने शोधपत्र पढ़े। सेमिनार की अध्यक्षता प्रो. अंगराज चौधरी ने की। सेमिनार में भिक्षु वरा सम्बोधि महाथेरा, एन. नंद वंश थेर श्रीलंका, ओगा तावा जापान, तासी पलजोत लद्दाख, प्रो. राणा प्रताप सिंह, डा. कैलाश प्रसाद, डा. आभा रानी, डा. सत्यदेव कौशिक सहित कुल 9 वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। वक्ताओं ने 'उपनिवेश काल में बौद्ध धर्म की स्थिति' पर प्रकाश डालते हुए बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में तत्कालीन संस्थानों, सोसाइटी, धर्मग्रंथों व विद्वानों के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। तीन दिवसीय इस सेमिनार में 40 देशी-विदेशी विद्वान भाग ले रहे हैं। यहां यह बता दें कि जापानी मंदिर इंदोसान निप्पोजी की स्थापना बोधिदिवस के अवसर पर किया गया था। 8 दिसम्बर को प्रतिवर्ष मंदिर की स्थापना व अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाता है।

जपान मंदिर स्थापना दिवस पर जुटे प्रमुख भिक्षु व गणमान्य लोग जागरण

十二月九日、日本寺を出発する前にインドの新聞に昨日の成道会のことが写真入り出ているとのことで一部いただくが、ヒンディー語なので字が読めても意味がわからない。

ヒンディー語の文字は表音文字なので五十音字のように読むことは何とか出来ても、意味がわからないので現地よりの翻訳解説待ちである。

12月1日から毎朝インド米のお粥を食べていて、9日朝はお粥でなくてオムレツとパンが出て来た。日本寺に30年以上勤務する現地要員スタッフの作であるという。

ナマステ　ダンニャワード

（今日は）（有難うございました）

これは大塔の南側であり、大理石が敷かれて裸足で歩くのも楽である。丁度各国のテントの中では経典読誦大会の如くに拡声機を使ってパーリー語のお経が流れていた。

合掌